भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1968
शुक्रवार, 29 नवम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूवैज्ञानिकों/वैज्ञानिकों द्वारा अध्ययन

1968. डॉ॰ टी॰ आर॰ पारिवेन्धर:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को विदित है कि भूवैज्ञानिकों/वैज्ञानिकों के अध्ययन के अनुसार तमिलनाडु के पेरम्बलूर और अरियलूर जिलों के कुछ हिस्से लगभग दस करोड़ वर्ष पहले समुद्र से स्थल में परिवर्तित हुए थे;

(ख) क्या सरकार यह भी जानती है कि तमिलनाडु के पेरम्बलूर जिले के अलातूर के निकटवर्ती क्षेत्र भी समुद्र से स्थल में परिवर्तित हुए हैं;

(ग) क्या सरकार ने इन समुद्री क्षेत्रों की पुरातनता को संरक्षित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए हैं/उठाने का विचार कर रही है जो समुद्र से स्थल में परिवर्तित हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी हाँ, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और उसके संबद्ध संस्थानों ने तमिलनाडु राज्य के पेरम्बलूर और अरियलूर जिलों में इस पहलू से कोई भूवैज्ञानिक अध्ययन नहीं किए हैं। तथापि, उपलब्ध वैज्ञानिक साहित्य और भूवैज्ञानिक नक्शों की समीक्षा करने से यह समझा जाता है कि पेरम्बलूर और अरियलूर जिलों के कुछ हिस्से आज से लगभग ओं के करोड़ वर्ष पहले सिनोमेनियन ट्रांसग्रेसिव घटना 10 दौरान समुद्र के नीचे थे जो बाद में पश्चगामी चरण के दौरान जमीन में परिवर्तित हो गए।

(ख) जी, हाँ। उपलब्ध वैज्ञानिक साहित्य और भूवैज्ञानिक नक्शों की समीक्षा के आधार पर समझा जाता है कि पेरम्बलूर जिले का अलातूर क्षेत्र भी उपर्युक्त अवधि के दौरान समुद्र से जमीन में परिवर्तित हो गया है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पास क्षेत्र की स्थलाकृति और आज से 10 करोड़ वर्ष पूर्व हुए परिवर्तनों में दखल देने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****